पर्यावरणीय मानकों की पालना को लेकर हुई कार्रवाई से 1498 फैक्ट्रियों का संचालन प्रभावित

पाली की 600, बालोतरा की 574, बिठूजा की 214, जसोल की 110 तथा जोधपुर क्षेत्र की 300 फैक्ट्रियां प्रभावित हुई

बालोतरा, (निसं)। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्रवाई के बाद पश्चिमी राजस्थान के प्रमुख टेक्सटाइल हब बालोतरा, पाली, बिठूजा, जसोल और जोधपुर के औद्योगिक क्षेत्रों में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। पर्यावरणीय मानकों की पालना को लेकर हुई कार्रवाई के चलते तीन जिलों में 1498 फैक्ट्रियों का संचालन प्रभावित हुआ है, जिससे उद्योग जगत के साथ-साथ लाखों लोगों की आजीविका पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार पाली की 600, बालोतरा की 574, बिठूजा की 214, जसोल की 110 तथा जोधपुर क्षेत्र की करीब 300 फैक्ट्रियां प्रभावित हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अवैध रूप से रासायनिक पानी छोड़ने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उद्योग संचालकों में कार्रवाई का भय बढ़ने से कई इकाइयों ने उत्पादन बंद कर दिया है, जबकि कई अन्य इकाइयां सीमित क्षमता के साथ काम कर रही हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में यदि किसी भी नाले, नदी या खुले क्षेत्र में रासायनिक पानी छोड़ा गया तो संबंधित इकाई के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। औद्योगिक क्षेत्र में आई इस मंदी का

- बालोतरा-पाली व जोधपुर के औद्योगिक क्षेत्रों में गहराया संकट, एक लाख से अधिक मजदूरों के रोजगार पर खतरा मंडराया
- सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अवैध रूप से रासायनिक पानी छोड़ने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई शुरू की
- प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग का कहना है कि पर्यावरण सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर प्रदूषण फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी

सीधा असर स्थानीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। उद्योग संगठनों के अनुसार फैक्ट्रियों के बंद होने से प्रतिदिन 35 से 40 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हो रहा है। वहीं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े एक लाख से अधिक मजदूरों, कर्मचारियों, ट्रांसपोर्टरों, व्यापारियों और श्रमिक परिवारों के सामने रोजगार और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो बड़ी संख्या में मजदूरों का पलायन शुरू हो सकता है। इसके साथ ही कच्चे माल के व्यापारी, ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल, किराना, चाय-नाश्ता और अन्य छोटे कारोबार भी प्रभावित होंगे। स्थानीय बाजारों में नकदी का प्रवाह कम होने से व्यापारिक गतिविधियों पर भी व्यापक असर पड़ सकता है। उद्योगपतियों का कहना है कि वे पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के नियमों की पालना के पक्षधर हैं, लेकिन उद्योगों के लंबे समय तक बंद रहने से हजारों परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा।

दूसरी ओर प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग का कहना है कि पर्यावरण सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर प्रदूषण फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे में बालोतरा, पाली और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में अब सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण संरक्षण और लाखों लोगों के रोजगार के बीच संतुलन स्थापित करने की बन गई है।

अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मारी, पांच जने घायल

निवाई, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित चैनपुरा मोड़ के समीप पेट्रोल पंप के सामने टोंक से जयपुर की ओर जा रही कार के एक अज्ञात वाहन ने पीछे से मारी टक्कर दी, जिससे वैन में सवार तीन महिलाओं सहित पांच जने गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर थानाधिकारी घासीराम मीणा मय जाप्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और हाईवे एंबुलेंस की मदद से घायलों को उप जिला अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करके सभी घायलों को जयपुर रैफर कर दिया। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि रतनी देवी धोबी, शीला, सोना, सुरेश धोबी व मणी वर्मा निवासी जवाहर नगर जयपुर अपने पैतृक गांव पेंच की बावड़ी डिडवाडी जिला टोंक से जयपुर जा रहे थे, रास्ते में हादसा हो गया।

नदी में दो बहनें डूबीं, एक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के मांडवा नवाघरा गांव में बकरियों को पानी पिलाने गई दो बहनें नदी में डूब गईं। इस घटना में 10 वर्षीय बड़ी बहन ज्योति की मौत हो गई, जबकि 9 वर्षीय छोटी बहन दीपिका गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कोतवाली थाने के एएसआई हरिसिंह के अनुसार मांडवा नवाघरा निवासी जीवा रोत ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया कि उनकी बेटियां ज्योति और दीपिका बकरियों को लेकर गांव के पास नदी पर गई थीं। नदी के किनारे बकरियों को पानी पिलाते समय दोनों बच्चियों का पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चली गईं।

'राजस्थान के एक पुराने जिन्न को बोतल से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं गहलोत'

'जब-जब कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को कोई नया दायित्व देने का विचार करता है, उसी समय उनका रास्ता रोकने के लिए गहलोत साहब इस बोतल से जिन्न को बाहर ले आते हैं'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हॉर्स ट्रेडिंग वाले बयानों पर कहा कि बंगाल में जनता ने भाजपा को दो-तिहाई से ज्यादा प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने का आशीर्वाद दिया है, ऐसे में वहां भारतीय जनता पार्टी को हॉर्स ट्रेडिंग करने की भला क्या जरूरत पड़ेगी? रविवार को शेखावत सर्किट हाउस में मीडिया से रू-ब-रू हुए।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि वे बंगाल का बहाना बनाकर राजस्थान के एक पुराने जिन्न को बोतल से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पिछले 10 साल के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि जब-जब कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को कोई नया दायित्व या पद देने का विचार करता है, ठीक उसी समय उनका रास्ता रोकने के लिए गहलोत साहब इस बोतल से जिन्न को बाहर ले आते हैं।

- शेखावत ने कहा कि भारत का युवा कभी कठपुतली न था, न है और न कभी बनेगा

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उस दावे पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि विधायकों को 10-10 करोड़ रुपए दिए गए और वो वापस भी नहीं हुए, शेखावत ने कानूनी तर्क देते हुए घेरा। उन्होंने पूछा कि अगर विधायकों ने पैसे लिए थे तो क्या वह भ्रष्टाचार की श्रेणी में नहीं आता? मुख्यमंत्री रहते हुए अगर गहलोत साहब को इसकी जानकारी थी तो उन्होंने कार्रवाई क्यों नहीं की? भारत की न्याय संहिता और एंटी करप्शन एक्ट स्पष्ट कहता है कि अगर किसी जिम्मेदार व्यक्ति को भ्रष्टाचार की जानकारी मिले और वह कार्रवाई न करे तो वह भी कानूनन बराबरी का दोषी है। गहलोत साहब को अब जनता के सामने अपना स्टैंड साफ करना चाहिए कि उन्होंने कार्रवाई क्यों नहीं की।

जोधपुर में स्वतंत्रता सेनानी फतेहराज कल्ला की प्रतिमा खंडित होने की घटना पर उन्होंने संवेदनशीलता बरतने की अपील की। शेखावत ने कहा कि जब कोई ढांचा या बिल्डिंग जर्जर होकर किसी दुर्घटना का शिकार हो जाती है तो उस पर राजनीति करना या ओछी राजनीतिक टिप्पणी करना बिल्कुल अनुकूल नहीं है। श्रद्धेय कल्ला पूरे शहर के लिए पूजनीय थे। हमारा पूरा ध्यान और प्रयास इस बात पर होना चाहिए कि उनकी भव्य मूर्ति वहां शीघ्र अति शीघ्र वापस सम्मानपूर्वक स्थापित हो और भविष्य में ऐसी परिस्थिति दोबारा न बने।

युवाओं से संबंधित सवाल पर शेखावत ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। विपक्ष और अन्य राजनीतिक दलों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत का युवा कभी कठपुतली न था, न है और न कभी बनेगा।

घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी पर स्थिति स्पष्ट करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह किसी सरकार की इच्छा से नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी वैश्विक चुनौती और अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अंडमान निकोबार दौरे और वहां संस्कृति व पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को पहले संस्कृति का स सीखना चाहिए, उसके बाद ही उन्हें ऐसी राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चीजों पर कोई टिप्पणी करनी चाहिए। वहीं शेखावत ने सर्किट हाउस में जनसुनवाई भी की।

मामूली विवाद में दो पक्ष भिड़े

भरतपुर, (निस)। उद्योग नगर थाना क्षेत्र के गांव महंगाया में दो पक्षों में खूनी संघर्ष होने से दोनों पक्षों के करीब एक दर्जन लोग घायल हो गये। घायलों को जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में जमकर लाठी भाटा जंग हुई। फिलहाल घायलों का जिला आरबीएम अस्पताल में उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार भरतपुर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र के गांव महंगाया में दो युवकों के बीच मामूली कहासुनी के बाद दो पक्ष आमने सामने हो गए। जिसके बाद पथराव और लाठी-भाटा जंग में करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महंगाया गांव में दो युवकों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद उन युवकों में हाथापाई हुई और देखते ही देखते वीरेंद्र और प्रेम सिंह के परिवारों ने एक दूसरे पर जमकर लाठियां भांजी और पथराव भी किया। इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों की ओर से करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। जिस पर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक पक्ष के करन, प्रतिज्ञा, राहुल और वीरेंद्र वही दूसरे पक्ष के पिंटू, महेश, राज, बिट्टू, शकुंतला को सर्जिकल और ऑर्थो वार्ड में भर्ती कराया गया।

अलवर के सरिस्का में टूरिस्ट को कीड़ों से भरे कॉर्न का नाश्ता दिया

अलवर, (निसं)। अलवर के सरिस्का में एक टूरिस्ट को कीड़ों से भरे कॉर्न का नाश्ता करा दिया, आधा नाश्ता करने पर पता चला कि वह कीड़ों को खा रहा है।

जानकारी के अनुसार अलवर घूमने आए टूरिस्ट को 'द बीहड़ सरिस्का रिसोर्ट में रविवार सुबह कीड़ों वाला नाश्ता दे दिया गया। टूरिस्ट ने मोबाइल पर बात करते हुए आधा नाश्ता कर लिया। कुछ देर बाद उसके होंठ पर हलचल हुई। उसने कटोरी में देखा तो दूध के ऊपर 5 से ज्यादा कीड़े नजर आए। कीड़े कॉर्न के रंग के थे। इस कारण टूरिस्ट को पता नहीं चला। टूरिस्ट ने फूड इंस्पेक्टर और ऑनलाइन पोर्टल 181 पर फोन कर शिकायत दी। इसके साथ ही कॉर्न फ्लेक्स में नजर आ रहे कीड़ों का वीडियो भी भेजा। इस घटना के बाद होटल की खाद्य गुणवत्ता और साफ-सफाई पर सवाल उठने लगे हैं।

- आधा नाश्ता करने पर टूरिस्ट को पता चला कि वह कीड़ों को खा रहा है
- टूरिस्ट ने फूड इंस्पेक्टर और ऑनलाइन पोर्टल 181 पर शिकायत दी

सरिस्का घूमने आए टूरिस्ट सागर यादव, सोनू चौधरी, भगवान यादव, ईश शर्मा और नीरज यादव 'द बीहड़ सरिस्का' रिसोर्ट में रुके थे। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे टूरिस्ट सागर यादव को कीड़ों वाला नाश्ता दे दिया गया था। टूरिस्ट सागर यादव ने बताया कि नाश्ते में कीड़े नजर आने पर होटल स्टाफ को इसके बारे में बताया तो उन्होंने कहा कि छोटी बात है। इसे बड़ा इश्यू मत बनाओ। इसके बाद उन्होंने तुरंत नाश्ता हटा दिया। होटल मालिक वीरेंद्र राठौड़ ने गलती मानते हुए काम करने वाले शेफ को हटाने की बात कही।

होटल मालिक ने कहा कि कॉर्न फ्लेक्स पैकिंग का आइटम था, जिसमें कीड़े आ गए। हमारे खाने में कोई शिकायत नहीं मिली। कॉर्न फ्लेक्स बनाने वाली कंपनी की गलती है। होटल के स्टाफ की थोड़ी लापरवाही कही जा सकती है।

टूरिस्ट सागर यादव ने बताया कि मैंने इसके बारे में फूड इंस्पेक्टर केशव गोयल को शिकायत की है। इसके अलावा ऑनलाइन पॉर्टल 181 पर शिकायत की है, ताकि आगे इस तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। इस होटल में जिस तरह की व्यवस्था का दावा किया गया, वैसी नहीं मिली।

राज्य बीज निदेशक का भांजा 85 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार

नकली बीज प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कार्रवाई की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नकली बीज प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर विश्नोई सहित छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। इस मामले में एसीबी ने निदेशक के निवास और बस की तलाशी के दौरान अब तक कुल 2 करोड़ 44 लाख रुपए की नकद राशि बरामद की है। जुगल किशोर विश्नोई के भांजे स्वतंत्र विश्नोई को 85 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार राज्य सरकार द्वारा किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नकली एवं खराब बीजों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में हाल ही में गजराज ब्रांड के मूंगफली बीजों से जुड़े प्रकरण में कार्रवाई की गई थी। कंपनी के गोदाम को सील कर बीजों की बिक्री पर रोक लगाई गई थी तथा नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था।

- नकली बीजों की कार्रवाई को दबाने के आरोप में राज्य बीज निगम के निदेशक सहित छह लोग रडार पर
- एसीबी ने निदेशक के निवास और बस की तलाशी के दौरान अब तक कुल 2 करोड़ 44 लाख रुपए की नकद राशि बरामद की

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इस कार्रवाई को प्रभावित करने, प्रकरण को दबाने तथा गोदाम में रखे बीजों को वापस गुजरात ले जाने की अनुमति दिलाने के बदले कथित रूप से बड़ी रिश्वत राशि का लेन-देन हुआ। एसीबी के अनुसार इस संबंध में करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपए जुगल किशोर विश्नोई और करीब 60 लाख रुपए गणपत नामक व्यक्ति को दिए जाने की जानकारी सामने आई है। सूचना मिलने पर एसीबी ने कार्रवाई करते हुए लूणकरणसर क्षेत्र में एक बस को रुकवाकर तलाशी ली। बस में जुगल किशोर विश्नोई के भांजे स्वतंत्र विश्नोई के कब्जे से करीब 85 लाख रुपए बरामद किए गए। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एसीबी ने इस मामले में राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर विश्नोई, गजराज ब्रांड से जुड़े किरण कापड़िया, गणपत विश्नोई, सुनील सेतिया और सतपाल को डिटेन कर पूछताछ शुरू की है। जांच एजेंसी के अनुसार इन लोगों पर कार्रवाई को प्रभावित करने, बीजों की बिक्री दोबारा शुरू करवाने, प्रयोगशाला में नमूने पास करवाने तथा अन्य अनुचित लाभ लेने के प्रयासों के आरोप हैं। उल्लेखनीय है कि 27 मई 2026 को किरण कापड़िया के मूंगफली बीज गोदाम पर छापा मारकर नमूने लिए गए थे और गजराज ब्रांड के बीजों के विक्रय पर रोक लगाई गई थी। इसके बाद से ही मामले की जांच चल रही थी।

नारनौल में हुये हादसे में झुंझुनूं की दो महिलाओं की मौत, दो घायल

इनोवा गाड़ी ने सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर मार दी थी

खेतड़ी, (निसं)। नारनौल क्षेत्र के अकबरपुर फ्लाईओवर के पास शनिवार को हुए सड़क हादसे में झुंझुनूं जिले के एक परिवार की दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर अज्ञात इनोवा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में गांव शिमला तहसील खेतड़ी निवासी नरेश कुमार ने बताया कि वह अपनी मां कमला, चाचा दुलीचंद, चाची भतेरी और चचेरे भाई नवनीत के साथ महेंद्रगढ़ जिले के नांगल कालिया गांव में रिश्तेदार ममता का हालचाल जानने जा रहे थे। नरेश अपनी बाइक पर मां कमला और नवनीत को लेकर चल रहा था, जबकि दुलीचंद अपनी मोटरसाइकिल पर पत्नी भतेरी के साथ सवार था। जब वे अकबरपुर फ्लाईओवर के पास टोल टैक्स के नजदीक पहुंचे तो दुलीचंद की मोटरसाइकिल पंचर हो गई। इसके बाद दोनों बाइक को सड़क किनारे खड़ा कर सभी लोग नीचे उतर गए। इसी दौरान नारनौल की ओर से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही एक इनोवा कार के ड्राइवर ने पहले बाइक को टक्कर मारी और फिर सड़क किनारे खड़े पांचों लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में कमला, भतेरी, दुलीचंद और नवनीत गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि नरेश को मामूली चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से घायलों को एंबुलेंस द्वारा नांगल चौधरी और बाद में नारनौल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर हालत के कारण कुछ घायलों को जयपुर रेफर किया गया। नारनौल के सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों ने कमला देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं जयपुर में उपचार के दौरान भतेरी ने भी दम तोड़ दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। शिकायतकर्ता के अनुसार दुर्घटना करने वाली इनोवा गाड़ी थी। हादसे के बाद चालक कुछ देर रुका, लेकिन मौके पर भीड़ जुटने पर वाहन लेकर नांगल चौधरी की ओर फरार हो गया। पुलिस ने अस्पताल से मेडिकल रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज प्राप्त कर लिए हैं। मामले में संबंधित वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने, दुर्घटना करने और मौत का कारण बनने सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

डूंगरपुर में बाइक पुलिया से टकराई, युवक की मौत

लापरवाही और तेज गति से बाइक चला रहा था युवक

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। शेरावाड़ा गांव के पास एक तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर पुलिया से टकरा गई थी। घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, भगौरा फला जेलाणा निवासी सोमा भगोरा ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा विनेश (25) और भतीजा सोहन भगौरा अपनी बाइक पर खेरवाड़ा जा रहे थे। बाइक सोहन चला रहा था, जबकि विनेश पीछे बैठा था। एएसआई कैलाश चंद्र कलासुआ ने बताया कि सोहन लापरवाही और तेज गति से बाइक चला रहा था। नेशनल हाईवे 48 पर अहमदाबाद से उदयपुर जाने वाले मार्ग पर शेरावाड़ा गांव के पास मोड़ पर बाइक बेकाबू होकर पुलिया से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे बैठा विनेश उछलकर नीचे गिर गया, जिससे उसे सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे हाईवे मोबाइल वाहन की मदद से घायल विनेश को शिशोद के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल डूंगरपुर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान विनेश की मौत हो गई। बिछीवाड़ा पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- बिछीवाड़ा के गांव शेरावाड़ा के पास हादसा हुआ

घर से लापता युवक का शव मिट्टी में दबा मिला, परिजन ने हत्या की आशंका जताई

मानपुरा माचैड़ी, (निसं)। चंदवाजी थाना क्षेत्र के कंवरपुरा गांव में रविवार सुबह हरचंदपुरा नदी क्षेत्र में एक युवक का शव करीब दो फीट मिट्टी के नीचे दबा हुआ मिला। शव मिलने की खबर आग की तरह पूरे क्षेत्र में फैल गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को मिट्टी से बाहर निकाला। जयपुर से पहुंची एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह कुछ ग्रामीणों को नदी के पास मिट्टी में दबा शव दिखाई दिया और पास ही खून भी बिखरा हुआ था। हत्यारों ने युवक की हत्या करने के बाद जल्दीबाजी में शव के ऊपर ठीक से मिट्टी डालना भूल गए। सूचना पर चंदवाजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान हरचंदपुरा

चंदवाजी के पास कंवरपुरा गांव में नदी के पास मिट्टी में युवक का शव दबा हुआ मिला

(कंवरपुरा) निवासी राकेश जाट (28) पुत्र सुगलराम जाट के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राकेश शनिवार शाम से अचानक लापता था। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश शुरू की, लेकिन जब काफी देर तक उसका कोई सुराग नहीं मिला तो चिंता बढ़ गई। इसी बीच रविवार को गांव के समीप नदी क्षेत्र में मिट्टी में दबा शव मिलने की सूचना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। सूचना मिलते ही चंदवाजी थाना प्रभारी हीरालाल सैनी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को घेराबंदी कर आसपास के क्षेत्र की जांच शुरू की। मौके से साक्ष्य जुटाए गए और शव को बाहर निकालने की कार्रवाई की गई। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध नजर आने के कारण पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

- चंदवाजी के कंवरपुरा का मामला, एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए

परिजनों ने युवक की हत्या कर शव को मिट्टी में दबाने की आशंका जताई है। उनका कहना है कि युवक के अचानक लापता होने और फिर इस तरह मिट्टी में दबा शव मिलने से मामला सामान्य नहीं लग रहा। परिवार ने मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग करते हुए दोषियों को जल्द पकड़ने की मांग उठाई है। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश दोनों का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल और अस्पताल परिसर में जमा रहे। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो पाएगी। वहीं पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ, युवक की गतिविधियों और उसके संपर्कों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया है।

बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में 10 करोड़ की दवा खरीद में घोटाले का खुलासा

मामले को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने विस्तृत जांच के योग्य माना है

बीकानेर, (निसं)। संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल में मरीजों के लिए की गई 10 करोड़ रुपये की दवा खरीद में बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। चहेती और पहले से ब्लैकलिस्टेड (डिबार) कंपनियों को पिछले दरवाजे से एंट्री देने के लिए टेंडर की शर्तों में गुपचुप तरीके से बदलाव किया गया। मामले को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने विस्तृत जांच के योग्य माना है।

इस प्रकरण में विस्तृत और गहन जांच करने के लिए एसीबी की आईजी एस. परिमला ने कार्मिक विभाग के शासन सचिव को पत्र लिखकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत जांच शुरू करने का पूर्वानुमोदन मांगा है। पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि अनुमति नहीं मिली, तो इस गंभीर मामले को मुख्य सतर्कता आयुक्त को रेफर कर दिया जाएगा। जयपुर मुख्यालय के एएसपी ओम प्रकाश को इस पूरे प्रकरण का जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा तत्कालीन अधीक्षक एवं वर्तमान प्रिंसिपल, एसपी मेडिकल कॉलेज, डॉ. बीसी घीया वर्तमान अधीक्षक, पीबीएम अस्पताल, क्रय समिति सदस्य डॉ. शिवशंकर झंवर, डॉ. विनोद मेघवाल और डॉ. संजय लोढ़ा, विशेष सदस्य डॉ. रित्विक अग्रवाल, अभिषेक गोयल तत्कालीन वरिष्ठ लेखाधिकारी इन सभी पर पद का दुरुपयोग कर अपनी चहेती फर्मों को उपकृत करने और भारी कमीशन के खेल के चक्कर में नई बिड से अनिवार्य शर्तें हटाकर 9 डिबार कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। शासन उप सचिव शिव शंकर अग्रवाल ने इस पूरे घोटाले की फैक्चुअल रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा से ही मांग ली है, जबकि डॉ. वर्मा खुद इस मामले में जांच के घेरे में हैं। इससे पहले जनवरी में संभागीय आयुक्त ने भी इस मामले की रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन तब भी टेंडर जारी करने वाली उसी उपापन कमेटी से ही जांच कराकर गोलमोल रिपोर्ट भेज दी गई और मामले को दबाने का प्रयास किया गया। कैंसर और जनरल मेडिसिन की दवाओं की खरीद के लिए 5-5 करोड़ रुपये के दो अलग-अलग (कुल 10 करोड़ रुपये) रेट कॉन्ट्रैक्ट जारी किए गए थे। पीबीएम के पुराने नियमों के अनुसार हर बिडर को अपने लेटरहेड पर यह अनिवार्य शपथ पत्र देना होता था कि उसकी दवा निर्माता कंपनी पिछले 3 साल में किसी भी सरकारी संस्थान द्वारा ब्लैकलिस्ट या डिबार नहीं की गई है। इस बार टेंडर डॉक्यूमेंट्स के तकनीकी तुलनात्मक विवरण (पॉइंट नंबर 10) से इस ब्लैकलिस्टेड शपथ पत्र की अनिवार्य शर्त को बेहद शातिर तरीके से हटा दिया गया। नतीजा यह हुआ कि 9 डिबार कंपनियों को आसानी से टेंडर में शामिल कर लिया गया।